



CHS  
27/3/86

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 582]

नई दिल्ली सोमवार दि. 9, 1985/अग्रहायण 18, 1907

No 582]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 9, 1985/AGRHAAYANA 13, 1907

इस भाग में दिए गए पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जतन संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

बीमा

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1985

का. आ. 884(अ).—केन्द्रीय सरकार, साधारण बीमा कारबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 की धारा 17-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, साधारण बीमा (पर्यवेक्षणीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्दों के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थाकरण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1974 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बसाने है, अर्थात् —

1. (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम साधारण बीमा (पर्यवेक्षणीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्दों के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थाकरण और पुनरीक्षण) (दूसरा संशोधन) स्कीम, 1985 है।

(2) यह 1 अप्रैल, 1984 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

2. साधारण बीमा (पर्यवेक्षणीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्दों के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थाकरण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1974 में,—

(i) पैरा 4 के उप-पैरा (5) में "वैयक्तिक वेतन, यदि कोई हो" शब्दों के स्थान पर "वैयक्तिक वेतन या वैयक्तिक भत्ता, यदि कोई हो" शब्द रखे जाएंगे;

(ii) (1) पैरा 6क के उप-पैरा (2) के तीसरे परसुख में "समायोजन भत्ता" शब्दों के स्थान पर "वैयक्तिक भत्ता" शब्द रखे जाएंगे;

(2) उप-पैरा (3) के खण्ड (ख) के दूसरे परसुख में "तथा समायोजन भत्ता" या "समायोजन भत्ता" शब्दों का, वे जहां भाग आए हैं, लोप किया जाएगा।

[फा. सं. 102(7)/बीमा 4/85]

ए. सी. मेन. संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## NOTIFICATION

## INSURANCE

New Delhi, the 9th December, 1985

**S.O. 884(E).**—In exercise of the powers conferred by section 17A of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972), the Central Government hereby frames the following Scheme further to amend the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and Other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974, namely:—

1. (1) This Scheme may be called the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and Other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) (Second Amendment) Scheme, 1985

(2) It shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1983.

2. In the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and Other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974,—

(i) in paragraph 4, in sub-paragraph (5) for the words "personal pay, if any", the words "personal pay or personal allowance, if any" shall be substituted;

(ii) (1) in paragraph 5— a sub-paragraph (2), in the proviso, for the words "adjustment allowance", the words "personal allowance" shall be substituted;  
(2) in paragraph (3) in the second proviso to clause (b), the words "and adjustment allowance", wherever they occur, shall be omitted

[H. No. 102(7) (Ins. IV 85)]

A. C. SEN, Jt. Secy.